प्रश्नः

''मेरे लिए नये नियम की कलीसिया का सदस्य होना ज़्यों आवश्यक है?''

उज़रः

यदि नये नियम की कलीसिया का सदस्य होना आवश्यक है, तो उसके लिए कुछ स्पष्ट और आवश्यक कारण भी होने चाहिए। इसके अलावा आप कुछ बातों पर विचार कर रहे होंगे जो नये नियम का मसीही बनने के लिए मान्य कारण नहीं हैं।

अपर्याप्त कारण

कई बार कलीसिया का सदस्य बनने के लिए दिए गए कारण अपर्याप्त होते हैं। यदि आप अपने गांव या नगर में कलीसिया होने के कारण प्रभु की कलीसिया के सदस्य हैं, तो आप मसीह के सच्चे अनुयायी नहीं हैं। कई बार प्रभु की कलीसिया के ''सब लोग उनसे प्रसन्न'' (प्रेरितों 2:47) होते हैं; परन्तु अधिकतर बुराई ही प्रसिद्ध होती है और हमारे प्रभु की कलीसिया को अच्छा नहीं समझा जाता। ''सारा संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है'' (1 यूहन्ना 5:19)। इसलिए यदि आप प्रभु की कलीसिया की अस्थाई प्रसिद्धि के कारण इसके सदस्य बनते हैं, तो आप बुरी तरह से गुमराह हैं।

यदि आप इसलिए मसीही बनने के भ्रम में पड़े हैं कि आपका मानना है कि इससे आपका व्यवसाय या आपकी विज़ीय स्थिति में सुधार होगा तो आपकी यह सोच भी गलत है। ऐसी सोच वाला व्यक्ति मसीही हो ही नहीं सकता; चाहे उसने आज्ञा मानने के ढंग का पालन भी ज़्योंकि किया हो। उसके कार्यों से लोगों को मूर्ख तो बनाया जा सकता है, परन्तु परमेश्वर उसके मन की बातों को जानता है। ऐसे उद्देश्य वाला व्यक्ति किसी कलीसिया के रजिस्टर में तो अपना नाम दर्ज करवा सकता है लेकिन जीवन की पुस्तक में नहीं।

चाहे भावनात्मक ही है परन्तु कलीसिया का सदस्य बनने का एक और अपर्याप्त कारण

यह है कि आपके सगे सज़्बन्धी उस कलीसिया के सदस्य हैं। यदि आप अपनी माता से प्रेम नहीं करते हैं तो आप वह नहीं हैं जो आपके लिए होना आवश्यक है। परन्तु यदि आप विश्वास के मामलों में अपने निर्णय उसे लेने का अधिकार देते हैं, तो आप मानवीय मूर्तिपूजक हैं जिसे ''मां की पूजा करना'' कहा जा सकता है। यीशु की बात पर ध्यान दें:

> यह न समझो कि मैं पृथ्वी पर मिलाप कराने को आया हूं। मैं मिलाप कराने को नहीं, पर तलवार चलाने आया हूं। मैं तो आया हूं कि मनुष्य को उसके पिता से, और बेटी को उसकी मां से, और बहू को उसकी सास से अलग कर दूं। मनुष्य के बैरी उसके घर ही के लोग होंगे। जो माता या पिता को मुझ से अधिक प्रिय जानता है, वह मेरे योग्य नहीं (मत्ती 10:34-37)।

यदि किसी मित्र या प्रिय जन ने आपको बताया है कि ''आपको कलीसिया की आवश्यकता है और कलीसिया को आपकी'' तो उसने केवल आधा सच कहा है। आपको कलीसिया की आवश्यकता है, यह सही है; परन्तु परमेश्वर की कलीसिया को किसी मनुष्य की आवश्यकता नहीं है। यदि आपको लगता है कि आप इसके सदस्य बनकर अपने नगर या गांव में कलीसिया की सहायता करेंगे, तो आप मसीही बनने के लिए तैयार नहीं हुए। ऐसी सोच विनम्रता के व्यवहार से जो परमेश्वर के राज्य के लोगों की विशेषता है, बहुत दूर है। मसीह की कलीसिया आपके जन्म से दो हज़ार साल पहले से विद्यमान है, और यदि आप इसके सदस्य नहीं भी बनते तो भी आपके मरने के बाद यह कायम रहेगी।

पर्याप्त कारण

पूर्व और पश्चिम की तरह मसीही और गैर मसीही में भी अन्तर है। यदि आपको यह अन्तर थोड़ा सा भी समझ आ जाए, तो आप प्रभु की आज्ञा मानने और उसकी कलीसिया का सदस्य बनने के लिए एक घंटा भी इंतजार नहीं करेंगे।

नीचे दी गई तुलनाओं पर ध्यान दें:

मसीही	**गैर मसीही**
राज्य के लोग	बाहरी लोग
परमेश्वर के मित्र	परमेश्वर के वैरी
पवित्र लोग (सेंट)	पापी
मसीह में जीवित	पाप में मरे हुए
उसकी अद्भुत रोशनी में	अंधकार की शक्ति में
परमेश्वर की सुरक्षा में	शैतान की शक्ति के वश में

पाप में मरा होना कितनी भयानक बात है! मसीह के बिना, परमेश्वर के बिना व बिना आशा के होना कितनी दुखद बात है! ''हे यहोवा ऐसा कर कि मेरा अन्त मुझे मालूम हो

जाए, और यह भी कि मेरी आयु के दिन कितने हैं; जिससे मैं जान लूं कि मैं कैसा अनित्य हूं'' (भजन संहिता 39:4)। यह कितना उदास करने वाला विचार है कि आप अंधकार और शैतान की शक्ति के अधीन हैं! ऐसे पिता की सुरक्षा के अधीन होने के ज्ञान की सामर्थ की कल्पना करें जो सर्वशक्तिमान है। यदि आप एक मसीही हैं, तो आप परमेश्वर में मसीह के साथ छुप जाएंगे और यदि आप वहां रहना चाहते हैं तो कोई आपको वहां से हटा नहीं पाएगा।

यदि इन तुलनाओं से आप परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना चाहते तो भी ऐसे कारण हैं जिन्हें नज़रअन्दाज नहीं किया जा सकता।

कृतज्ञता के कारण

कोई और कारण न होने पर भी आपको कृतज्ञता के कारण सृष्टिकर्ज़ा की सेवा करनी चाहिए। उस अनुग्रहकारी परमेश्वर ने आपको जन्म दिया, परन्तु आपने इसका इस्तेमाल कैसे किया? किसी दूरदर्शी ने अपनी दया से आपको एक सुन्दर और विशाल संसार में रख दिया – आपको उससे ज़्या लेना देना था? आपकी सारी खुशी रोशनियों के पिता की ओर से आती हैं जिसमें कोई परिवर्तन या छाया का बदल नहीं होता (याकूब 1:17)। परमेश्वर की रोटी खाकर और उसकी हवा में सांस लेकर भी ज़्या आप उसका विद्रोह करते रह सकते हैं? ज़्या आप सुबह के सूर्य के दृश्य की पेंटिंग देखकर या परमेश्वर द्वारा निर्देशित लकड़ियों की सुरीली आवाज सुनकर भी वह नहीं करेंगे जो परमेश्वर आपसे करने के लिए कहता है। ज़्या कोई इतना अकृतघ्न हो सकता कि वह परमेश्वर की आशिषें तो रख ले लेकिन मसीही बनकर उसकी आज्ञा मानने से इन्कार करे? उसकी आज्ञा मानना ''धन्यवाद'' कहने का छोटा सा ढंग है। इसके बावजूद, हम सभी अयोग्य दास ही हैं।

यदि आप उसकी सांसारिक आशिषों के लिए इतने अकृतज्ञ हैं कि आप उसे स्वीकार नहीं करते, तो निश्चय ही मसीहा के घावों से लहूलुहान शरीर को देखकर आप उसे ठुकरा नहीं सकते। उसका चेहरा ज़्यों बेहाल हुआ, ज़्यों उसका शरीर लहूलुहान हुआ? उसने ज़्या गलती की थी? ''निश्चय उसने हमारे रोगों को सह लिया और हमारे ही दुखों को उठा लिया'' (यशायाह 53:4क)। सचमुच मसीह के प्रेम से आपको विवश होना चाहिए: ''ज़्योंकि मसीह का प्रेम हमें विवश कर देता है; इसलिए कि हम यह समझते हैं कि जब एक सबके लिए मरा तो सब मर गए'' (2 कुरिन्थियों 5:14)। इसलिए अब आपको अपने लिए नहीं बल्कि उसके लिए जीना चाहिए जो आपके लिए मरकर फिर से जी उठा।

यदि किसी धन्यवादी व्यक्ति को देखकर आपका मन मसीह की आज्ञा मानने को नहीं पिघलता, तो मसीही लोगों के लिए रखी गईं उन बड़ी-बड़ी आशिषों की ओर ध्यान दें और सब बातों को छोड़कर केवल मसीहियों को देखें। सांसारिक आशिषें तो पापी लोगों को भी वैसे ही मिलती हैं जैसे परमेश्वर का भय मानने वाले पवित्र लोगों को, परन्तु आत्मिक आशिषें केवल उन्हीं के लिए हैं जो ''पवित्र होने के लिए बुलाए गए हैं'' (1 कुरिन्थियों 1:2) अर्थात उसकी कलीसिया के सदस्य हैं। आप चाहे मनुष्य के पुत्र का खुला विरोध करें

तो भी आपके बगीचे में बारिश अवश्य होगी, परन्तु मसीही बने बिना आपको अपने आत्मा के धोए जाने और साफ़ किए जाने की आशीष नहीं मिलेगी: ''मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने-अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले'' (प्रेरितों 2:38क)। आप चाहे जीवन भर परमेश्वर के शत्रु बने रहें तो भी सूर्य की धूप आपको मगन करती और ऊर्जा देती ही रहेगी, परन्तु जब तक आप मसीह के सुसमाचार की आज्ञा नहीं मानते तब तक पवित्र आत्मा का दान न तो मिलता है, और न ही मिल सकता है और न मिलेगा। सारी उम्र बुराई करते रहकर भी आप सुन्दर मकान बना सकते हैं परन्तु स्वर्ग में बनने वाला घर केवल उनके लिए है जो परमेश्वर के लोग हैं। सदा तक रहने वाली चीज़ें केवल मसीही लोगों की ही हैं। बगीचे उजड़ जाते हैं, धूप मिट जाती है और मकान पुराने हो जाते हैं; परन्तु पापों की क्षमा, पवित्र आत्मा का दान व अविनाशी महिमा की आशा ऐसी चीज़ें हैं जो हमेशा बनी और ताज़ा रहती हैं। संसार में इन्हीं चीज़ों का तो महत्व है और एक मसीही के अलावा उन्हें कोई नहीं पा सकता। छाया की घाटी व परमेश्वर के बालक के लिए कोई खतरा नहीं है। एक मसीही कब्रिस्तान में से गुज़रता हुआ मौत पर हंसता ही नहीं बल्कि उसका मज़ाक भी उड़ाता है: ''हे मृत्यु तेरी जय कहां रही? हे मृत्यु तेरा डंक कहां रहा?'' (1 कुरिन्थियों 15:55, 56)। परमेश्वर का धन्यवाद हो जो हमें अर्थात हम मसीहियों को हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा जयवंत करता है (1 कुरिन्थियों 15:57)।

ज़्योंकि यह पवित्र शास्त्र के अनुसार है

प्रभु यीशु मसीह की कलीसिया का सदस्य बनने का एक सबसे अच्छा कारण मुझे बाइबल में मिलता है जो मुझे काफ़ी महत्वपूर्ण लगता है। यदि मैं किसी ऐसी कलीसिया का सदस्य होता जिसके बारे में परमेश्वर ने अपनी पवित्र पुस्तक में नहीं बताया तो मुझे चिन्ता होनी चाहिए थी। यदि कोई आपसे उस कलीसिया के बारे में पूछे जिसके आप सदस्य हैं, तो ज़्या आप पवित्र शास्त्र में से निकलकर बता सकते हैं कि, ''यहां प्रभु ने उस कलीसिया का नाम दिया है जिसका मैं सदस्य हूं''? आप ऐसा तभी कर सकते हैं यदि आप उस कलीसिया के सदस्य हों जो यीशु की है। मत्ती 16:18 में यीशु ने ''अपनी कलीसिया'' बनाने की बात की। उसने ''अपनी कलीसियाएं'' नहीं बल्कि केवल ''अपनी कलीसिया'' बनाने के लिए कहा था। पवित्र शास्त्र में केवल एक ही संस्थान के बारे में बताया गया है। मैं बाइबल में बताए गए उसी संस्थान में रहना चाहता हूं। इसे ''परमेश्वर की कलीसिया'' (प्रेरितों 20:28; 1 कुरिन्थियों 1:2) कहा जाता है। मसीही लोगों के स्थानीय समूहों को ''मसीह की कलीसियाएं'' कहा जाता था (रोमियों 16:16)। ज़्या आप उस कलीसिया का सदस्य नहीं बनना चाहेंगे जिसका उल्लेख विशेष तौर पर बाइबल में हुआ है?[1] मुझे तो न्याय के दिन परमेश्वर के सामने खड़े होकर यह कहने में डर लगेगा कि ''प्रभु, मैंने अपना सारा जीवन पृथ्वी पर उस कलीसिया में बिता दिया जिसका उल्लेख बाइबल में नहीं है।''

जो कलीसिया यीशु ने बनाई वह एक विश्वव्यापी कलीसिया है, जिसका अर्थ केवल यह है कि उसका मिशन विश्वव्यापी है। हमारे प्रभु की कलीसिया ''बैपटिस्ट'' कलीसिया

है, ज़्योंकि इससे पापियों को बपतिस्मा दिया जाता है। जिस कलीसिया के बारे में आप बाइबल में पढ़ते हैं उसके काम व्यवस्थित ढंग से अर्थात ''मैथड के अनुसार'' होते हैं। मसीह की कलीसिया का प्रबन्ध ''प्रिस्बिटर्स'' (अर्थात ऐल्डर) करते हैं। परमेश्वर की कलीसिया ''स्थानीय मण्डलियों'' द्वारा संचालित होती है ज़्योंकि हर मण्डली स्वतन्त्र है और अपने कामकाज को स्वयं देखती है। लहू से खरीदी गई नये नियम की कलीसिया ''ऐपिस्कोपेलियन'' कलीसिया है, ज़्योंकि इसमें हर मण्डली पर बिशप (यू.: *episcopoi*) होते हैं। प्रभु का संस्थान ''एडवेंटिस्ट'' कलीसिया है, ज़्योंकि यह उसके आने की राह देखती रहती है। यीशु की कलीसिया ब्रदरन कलीसिया है। यह भाइयों के इकट्ठा होने से बनती है। यह ''इवैंजलिकल'' कलीसिया है ज़्योंकि यह मिशनरी कार्य में विश्वास रखती है। यह मित्रों की एक सोसायटी है। यह एक ''पवित्र'' कलीसिया है। यह मसीही लोगों से मिलकर बनती है। परन्तु नये नियम की कलीसिया को कभी भी इनमें से कोई पदनाम नहीं दिया गया। इसलिए इसकी पहचान इन डिनोमिनेशनों या साज़्प्रदायिक कलीसियाओं से नहीं होनी चाहिए जिनका अस्तित्व 1600 ईस्वी तक कहीं नहीं था।

मनुष्यों द्वारा बनाई गई साज़्प्रदायिक कलीसियाएं भी हैं जो अपना सज़्बन्ध यीशु के साथ होने का दावा करती थीं। मैं इनमें से किसी का सदस्य नहीं हूं, और न ही बनना चाहता हूं। उनका आरज़्भ सांसारिक है, उनका वर्णन बाइबल में नहीं है, और उन्हें हमारे प्रभु के लहू से नहीं खरीदा गया था। मैं विशुद्ध, असाज़्प्रदायिक कलीसिया की बिनती करता हूं जिसे यीशु के लहू से खरीदा गया था (प्रेरितों 20:28) और उस एक संस्थान की बात करते हुए जिसे लेने के लिए मेरा प्रभु वापस आ रहा है विशुद्ध बाइबल की भाषा का इस्तेमाल करने की बिनती करता हूं (इफिसियों 5:23)।

ज़्योंकि यह स्वर्ग द्वारा चलाई जाती है

एक और अच्छा कारण कि मैं यीशु की कलीसिया का सदस्य ज़्यों हूं, यह है कि इसका कोई सांसारिक मुज़्यालय नहीं है। पौलुस ने कहा कि ''हमारा स्वदेश स्वर्ग पर है'' (फिलिप्पियों 3:20)। इसलिए, यदि मैं मसीह की कलीसिया का सदस्य हूं, तो मुझे निर्देशों के लिए साल्ट लेक सिटी, ऊटाह, बोस्टन, मैसाचुएस्ट या रोम, इटली का मुंह देखने की आवश्यकता नहीं है। केवल मसीह ही अपनी कलीसिया का सिर है जिसका हर सदस्य ''एक साथ मिलकर प्रभु में एक पवित्र मन्दिर बनती जाती है। जिस में तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवास स्थान होने के लिए एक साथ बनाए जाते हो'' (इफिसियों 2:21, 22)।

मैं मसीह की कलीसिया का अर्थात उस कलीसिया का जो यीशु की है उसके धर्मसार की पुस्तक के कारण, सदस्य हूं। वह इसका सिर है (कुलुस्सियों 1:18), और उसके प्रबन्ध से यह चलती है। उसके आत्मा ने नये नियम को लिखने के लिए पवित्र लोगों को प्रेरणा दी थी। नया नियम ही वह धर्मसार है जो यीशु में अपनी कलीसिया के लिए दिया गया था। यदि आप किसी ऐसी कलीसिया के सदस्य हैं जिसकी नियमावली या विश्वास का अंगीकार मनुष्यों द्वारा बनाया गया है, तो स्पष्ट है कि वह कलीसिया यीशु की कलीसिया नहीं है।

ज़्योंकि यह सदा तक रहेगी

यीशु की कलीसिया का सदस्य होने का मेरा एक अन्य कारण यह है कि यह अविनाशी है। मनुष्यों द्वारा बनाई गई सब संस्थाएं ''उखाड़'' डाली जाएंगी (मत्ती 15:13), परन्तु कलीसिया पर अधोलोक के फाटक भी प्रबल नहीं आ सकते (मत्ती 16:18)। युगों तक और जगत के अन्त तक, परमेश्वर की महिमा प्रभु यीशु की कलीसिया में होगी (इफिसियों 3:21)।

ज़्योंकि मसीह इसका उद्धारकर्ता है

यीशु मसीह की कलीसिया का सदस्य होने का इससे बड़ा कारण कोई और नहीं हो सकता कि इसके बाहर रहकर किसी का उद्धार नहीं है। साम्प्रदायिक कलीसियाओं के बाहर रहकर आपका उद्धार हो सकता है, परन्तु उस कलीसिया से बाहर रहकर जिसके बारे में आप बाइबल में पढ़ते हैं, उद्धार नहीं पाया जा सकता। आप मसीह के लहू के बिना उद्धार नहीं पा सकते (मत्ती 26:28)। यीशु के लहू की हर बूंद उसकी कलीसिया में गई थी (प्रेरितों 20:28)। एक दिन यीशु वापस आ रहा है, परन्तु अपनी कलीसिया के बाहर रहने वालों पर क्रोध करने और उनसे बदला लेने के लिए ही। यह सत्य है कि उसकी कलीसिया में अविश्वासी सदस्य हैं जिन्हें वह झाड़ियों और ऊंटकटारों की तरह निकालकर फैंक देगा (इब्रानियों 6:8), जिन्हें अन्त में जला दिया जाता है; परन्तु उसकी कलीसिया के बाहर किसी का उद्धार नहीं है। जिस दिन यीशु अपना निज भाग बनाने के लिए आएगा (मलाकी 3:17), ये वे लोग होंगे जिन्हें उसके लहू से भरे चश्मे से शुद्ध किया गया होगा। उसने उन सबको अपना बनाने की प्रतिज्ञा की है। यीशु ''देह का उद्धारकर्ता'' (इफिसियों 5:23), ''कलीसिया की सब वस्तुओं पर शिरोमणि'' है जो उसकी देह है (इफिसियों 1:22, 23)।

सारांश

नये नियम की कलीसिया के अच्छे कारणों की कोई कमी नहीं है, और मसीही व्यक्ति को मिलने वाली आशिषों को मापा नहीं जा सकता। क्या आप उन आशिषों के लिए जो परमेश्वर ने आपको दी हैं, उसका धन्यवाद करते हैं? क्या आपने उस कलीसिया के बारे में जिसे उसने बनाया था पवित्र शास्त्र में पढ़ा है? यदि आप उस कलीसिया का धर्मसार, उद्धारकर्ता और अनन्त भविष्य होने का दावा करना चाहते हैं, तो अभी भी समय है कि आप मसीह की देह के सदस्य बन जाएं।

यदि आप यीशु मसीह को उद्धारकर्ता अर्थात परमेश्वर का पुत्र मानते हैं, तो आपके लिए समय है कि पतरस की तरह अंगीकार करें (मत्ती 16:16; देखिए रोमियों 10:10)। यदि आप मसीह के लिए जीना चाहते हैं, तो आपके पास अपने पापों से मन फिराने (प्रेरितों 2:38) और बपतिस्मा लेकर अपने पाप धोने का समय है (प्रेरितों 22:16)। क्या नये नियम की कलीसिया का सदस्य बनने के लिए आपके पास कोई पर्याप्त कारण है?

पाद टिप्पणी

[1]वास्तव में जिस कलीसिया का बाइबल में उल्लेख है, उसे कोई नाम नहीं दिया गया। ''जॉन का कुज़ा'' कहने का अर्थ यह नहीं कि आपने कुज़े का नाम बता दिया। ''सैम की पत्नी'' कहने का अर्थ यह नहीं कि आपने उसका नाम बताया है। आपने उसके पति का नाम लिया है, परन्तु उसका नाम नहीं बताया। यदि आप कहते हैं ''मसीह की कलीसिया'' तो आपने कलीसिया का नाम नहीं बल्कि यह बताया है कि कलीसिया किसकी है। इस प्रकार बाइबल की कलीसिया का कोई नाम नहीं दिया गया है।